font>

Tilte: Need to take appropriate measures to check the incidents of fire in the coal mines of Central Coalfields Limited in the Bokaro-Kargli region. – Laid.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): अध्यक्ष महोदय, सेन्ट्रल कोलफील्डस लिमिटेड के बोकारो करगली प्रक्षेत्र के विभिन्न कोयला खदानों एवं रिजेक्ट में लगी आग के कारण अब तक लाखों टन सर्वश्रेठ कोकिंग कोल जलकर राख हो गया और आग रोकने हेतु अभी तक प्रयास नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कथारा क्षेत्र की जारंगडीह कोयला खदान से स्थानीय बिक्री का कोयला मजदूरों के बजाय सीएचपी के माध्यम से लोडिंग होने के कारण भीाण बेरोजगारी बढ़ रही है।

कोयला खदानों में आग लगने के बाबत विभिन्न श्रमिक संगठनों द्वारा ध्यान आकृट कराया गया, परन्तु कार्रवाई शून्य रही। परिणामतः आग की लपटें करगली परियोजना के एक व दो नम्बर क्वायरी, करगली ओसीपी के एक्सकेवेशन व वहां स्थित पेट्रोल-डीजल पम्पों के निकट बढ़ती जा रही है। इन खदानों में पानी भर जाने के कारण कोयला उत्पादन बाधित है और जिस रिजेक्ट कोयला में आग लगी है, उसको बेरोजगारों को खुला बिक्री के माध्यम से बेच दिया जाये तो बेरोजगारों को लाभ मिलेगा और कम्पनी को राजस्व मिलेगा।

आग की लपटें सड़क के किनारे हिन्दुस्तान पेट्रोलियम एवं रिहायशी इलाके की ओर बढ़ रही है और जहरीली गैस से आम लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसके लिए सभी संबंधित विभाग निक्रिय है।

अतः सरकार से आग्रह है कि कोयला खदानों में आग रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाया जाये और स्थानीय बिक्री के कोयला के सीएचपी के बजाय मजदूरों द्वारा लोडिंग कराने की व्यवस्था की जाये।